

सी.सी.आर.यू.एम.



न्यूजलेटर

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् की त्रैमासिक पत्रिका

खंड 41 • अंक 2

अप्रैल-जून 2021

आयुष मंत्री ने क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर का दौरा किया

श्री किरेन रीजीजू, माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), युवा कार्यक्रम और खेल, राज्य मंत्री, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और अतिरिक्त प्रभार, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने 09 अप्रैल 2021 को के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), श्रीनगर का दौरा किया और इसके कामकाज के साथ-साथ भौतिक बुनियादी ढांचे और प्रयोगशालाओं की समग्र समीक्षा की।

अपने दौरे के दौरान श्री रीजीजू ने अभिष्वसन), नतूल (आबपाशी) और दल्क रोगियों को प्रदान किए जा रहे हिजामा (मालिश) सहित विभिन्न प्रकार के यूनानी बिला शर्त (शुस्क कपिंग), हिजामा उपचारों का मुआयना किया। इस अवसर बिल-शर्त (आद्र कपिंग), इंकिबाब (भाप पर माननीय मंत्री जी ने कहा कि वे

भारतीय चिकित्सा पद्धति के उपचार से प्रभावित हैं, साथ ही उन्होंने इसके और प्रचार-प्रसार पर जोर दिया ताकि अधिक से अधिक लोगों को इसका लाभ मिल सके।

श्री रीजीजू ने बायोकेमिस्ट्री, रेडियोलॉजी, फोटोकैमिस्ट्री, हिस्टोलॉजी और अन्य प्रयोगशालाओं सहित सभी परीक्षण और अनुसंधान प्रयोगशालाओं का दौरा किया और उनके कामकाज की समीक्षा की।

इस अवसर पर श्री रीजीजू ने कहा कि उन्हें संस्थान का दौरा कर और रोगियों को दिए जा रहे उपचार को देख कर प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने संस्थान में किए जा रहे शोध कार्यों की सराहना की और संस्थान के उपचार और अन्य गतिविधियों में और सुधार लाने पर जोर दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार संस्थान के बुनियादी ढांचे के विकास और संवर्धन के लिए आगे भी सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी। श्री रीजीजू ने कहा कि हर बीमारी का विशिष्ट उपचार होता है और यूनानी, आयुर्वेद या मनोवैज्ञानिक उपचार द्वारा उसे ठीक किया जा सकता है। उन्होंने यूनानी चिकित्सा के इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि कश्मीर ने बहुत पहले यूनानी चिकित्सा को अपनाया। वर्तमान महामारी के संबंध में माननीय मंत्री ने कहा कि हाल के दिनों में महामारी



माननीय मंत्री श्री किरेन रीजीजू 09 अप्रैल 2021 को के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर के दौरे के दौरान संस्थान के अधिकारियों को संबोधित करते हुए।



माननीय मंत्री श्री किरन रिजीजू 09 अप्रैल 2021 को के.यू.चि.अ.प. के क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर के अपने दौरे के दौरान संस्थान परिसर में औषधीय पौधा लगाते हुए।

से लड़ने के लिए पारंपरिक चिकित्सा उन्होंने संस्थान में भर्ती मरीजों से प्रणाली एक महत्वपूर्ण उपाय बन गई भी बातचीत की और उनकी तबीयत और है। स्वास्थ्य में सुधार के बारे में जानकारी

ली। इस अवसर पर मरीजों ने उन्हें उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं और उपचार की गुणवत्ता से अवगत कराया।

इससे पूर्व श्री किरन रिजीजू ने संस्थान के परिसर में *पूनस आर्मेनियाका* एल. (खूबानी) का पौधा लगाया और उसमें पानी डाला। उन्हें संस्थान के अधिकारियों द्वारा पेड़ के लाभों के बारे में जानकारी दी गई।

इस अवसर पर प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., प्रो. निसार अहमद, रजिस्ट्रार, कश्मीर विश्वविद्यालय, प्रो. शब्बीर अहमद भट, डीन (अकादमिक), कश्मीर विश्वविद्यालय, डॉ. सीमा अकबर, सहायक निदेशक, क्षे. यू.चि.अ.सं., श्रीनगर और संस्थान के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

के.यू.चि.अ.प. अधिकारियों ने कोविड-19 काउंसलिंग में योगदान दिया

आयुष मंत्रालय ने कोरोना महामारी से संबंधित में जनता के सामान्य प्रश्नों को संबोधित करने और कोविड-19 के कारण उत्पन्न होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं पर आयुष प्रणाली के माध्यम से जनता का मार्गदर्शन करने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर "आयुष कोविड-19 परामर्श हेल्पलाइन" शुरू किया।

के.यू.चि.अ.प. ने मंत्रालय की इस पहल में पूरी तरह से योगदान दिया और यूनानी चिकित्सकों ने टोल-फ्री नंबर 14443 पर सप्ताह के सभी सातों दिन सुबह 6 बजे से रात 12 बजे तक अपनी सेवाएं प्रदान कीं।

के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक प्रो. आसिम अली खान ने इस पहल के बारे में बात करते हुए कहा कि इस हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से आयुष चिकित्सक ना केवल रोगियों को परामर्श और व्यावहारिक उपचार प्रदान करते हैं, बल्कि पास की आयुष सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में भी उनका मार्गदर्शन करते हैं। उन्होंने कहा कि देश भर में के.यू.चि.अ.प. के 22 केंद्र हैं जो नियमित शोध कार्यों के अलावा विभिन्न तरीकों से कोविड-19 संबंधित सेवाएं प्रदान कर रहे हैं।



आयुष कोविड-19 परामर्श हेल्पलाइन

के.यू.चि.अ.प. ने कोविड-19 पर वेबिनार का आयोजन किया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार ने "कोविड-19 महामारी के कारण तनाव का समाधान: योग एवं यूनानी चिकित्सा की भूमिका" पर 19 जून 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया।



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. (ऊपर) 19 जून 2021 को के.यू.चि.अ.प. द्वारा आयोजित 'कोविड-19 महामारी के दौरान तनाव प्रबंधन - योग और यूनानी प्रथाओं की भूमिका' पर वेबिनार को संबोधित करते हुए।

वेबिनार की शुरुआत प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प. के आरंभिक भाषण से हुई। उन्होंने कोविड-19 महामारी के कारण तनाव से निपटने में यूनानी चिकित्सा की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि तनाव के समाधान के लिए यूनानी चिकित्सा में बहुत कुछ है। उन्होंने कहा कि देश की पारंपरिक स्वास्थ्य प्रणाली प्रतिरक्षा को बढ़ावा देने के लिए ऐसी जीवनशैली की वकालत करती है जो विभिन्न प्रकार के संक्रामक रोगों की रोकथाम में मदद

करती है। उन्होंने आगे कहा कि यूनानी चिकित्सा में शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को अधिक मजबूत बनाने के लिए रोगी की प्रतिरक्षा को मजबूत करने पर अधिक जोर दिया जाता है।

डॉ. अर्जीना जबीन, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, राष्ट्रीय तब्बा रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने "मानसिक स्वास्थ्य और यूनानी चिकित्सा" पर बात की और कहा कि यूनानी चिकित्सा के अनुसार कुव्वत-ए-मुतफविकरह (सोचने की

क्षमता) एक प्राकृतिक शक्ति है जो चिंता को नियंत्रित करती है। उन्होंने कहा कि यूनानी चिकित्सक बहुत से उच्च प्रोटीन बीज का उपयोग मस्तिष्क टॉनिक के रूप में करते हैं। उन्होंने कहा कि चिंता को दूर करने के लिए कुछ हर्बल तेल से मालिश करने की भी सलाह दी जाती है।

"तनाव समाधान में यूनानी रेजिमेंल उपचारों की प्रभावशीलता" पर अपने व्याख्यान में डॉ. के.टी. अजमल, निदेशक, कालीकट यूनानी चिकित्सा एवं अनुसंधान केंद्र, कालीकट, केरल ने कहा कि रेजिमेंल उपचार ज्यादातर गैर-औषधीय तकनीक या प्रक्रियाएं हैं जिनके द्वारा यूनानी चिकित्सक रोगी के आवास, जीवन शैली और आहार संबंधी आदतों को व्यवस्थित करते हैं। उन्होंने कहा कि ये अभ्यास तनाव और चिंता सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं की रोकथाम और उपचार में बहुत उपयोगी हैं।

डॉ. वैदिराज एच.एस., अनुसंधान अधिकारी (योग व प्राकृतिक चिकित्सा), केंद्रीय योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने "कोविड-19 के दौरान तनाव समाधान में योग की भूमिका" पर एक व्याख्यान दिया। अपने संबोधन में डॉ. वैदिराज ने कहा कि योग हमें बेहतर शरीर संरेखण और मुद्रा, मजबूत मांसपेशियों की ताकत, आत्म-जागरूकता में वृद्धि, अधिक लचीलापन, निम्न रक्तचाप और अधिक लचीली मानसिक और शारीरिक क्षमता प्रदान करता है।

वेबिनार का समापन डॉ. गजाला जावेद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), वैज्ञानिक-IV, के.यू.चि.अ.प. के धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ।

कै.यू.चि.अ.प. संस्थानों में हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन

कै.यू.चि.अ.प. के पांच संस्थानों ने अपने कर्मचारियों के बीच हिंदी भाषा कौशल विकसित करने और दैनिक जीवन में भाषा के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए अप्रैल-जून 2021 के दौरान हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया।

क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (क्षे.यू.चि.अ.सं.), चेन्नई ने 10 जून 2021 को गूगल मीट के माध्यम से 'हिंदी में वाक्य कैसे बनाएं' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया।

डॉ. एन. ज़हीर अहमद, उपनिदेशक प्रभारी, क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई ने अधिकारियों को अपने भाषाई कौशल में सुधार करने के लिए प्रोत्साहित किया। श्रीमती सुप्रजा कन्नन, केंद्रीय हिंदी शिक्षण योजना, चेन्नई कार्यशाला की मुख्य अतिथि थीं। उन्होंने हिंदी व्याकरण की मूल बातों पर अपनी प्रस्तुति दी और उदाहरणों और दृष्टान्तों के माध्यम से वाक्य बनाने का तरीका बताया। कार्यशाला की शुरुआत डॉ. हाफिज सी. मोहम्मद

असलम, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV और हिंदी अधिकारी के स्वागत भाषण के साथ हुई और श्रीमती एन. विद्यालक्ष्मी, पुस्तकालय और सूचना सहायक के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुई, जबकि कार्यशाला का संचालन श्री पी.आर. थिरुमरन, कनिष्ठ हिंदी अनुवादक, क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई द्वारा किया गया।

क्षे.यू.चि.अ.सं., पटना ने 30 जून 2021 को हिंदी भाषा पर एक ई-कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए डॉ. मोहम्मद इश्तियाक आलम, उपनिदेशक, क्षे.यू.चि.अ.सं., पटना ने अधिकारियों को सरकारी कार्यों में हिन्दी भाषा के प्रयोग के संबंध में

राजभाषा विभाग के जनादेश के बारे में बताया।

कार्यशाला के मुख्य अतिथि श्री शाहबाज़ अहमद, उपनिदेशक (राजभाषा), प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, बिहार और झारखंड ने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण प्रदान किया और राजभाषा नीति के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए "12 प्र" ढांचे और रणनीति पर चर्चा की। कार्यशाला की कार्यवाही का संचालन संस्थान के अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV एवं हिंदी प्रभारी डॉ. मुमताज़ अहमद ने किया।

क्षे.यू.चि.अ.सं., श्रीनगर ने 29 जून 2021 को ऑनलाइन मोड में 'हिंदी और सोशल मीडिया' पर हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान की सहायक निदेशक प्रभारी डॉ. सीमा अकबर ने किया, जबकि डॉ. सतीश विमल, हिंदी अधिकारी और कार्यक्रम प्रभारी, रेडियो कश्मीर और डॉ. मेराज अहमद, संस्कृत विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय ने मुख्य अतिथि और संसाधन व्यक्ति के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ. मेराज ने कहा कि सोशल मीडिया में हिंदी की बहुत महत्वपूर्ण उपस्थिति है और पिछले कुछ वर्षों में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिंदी भाषा की सुविधा में वृद्धि हुई है। डॉ. सतीश ने कहा कि सोशल मीडिया पर हिंदी का प्रयोग दूसरों से अलग खड़ा करने में मददगार साबित हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि सोशल मीडिया पर हिंदी के प्रचार-प्रसार में ब्लॉगों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) एवं हिन्दी अधिकारी डॉ. अफसहुल कलाम ने अपनी टीम के साथ कार्यशाला का समन्वयन किया।

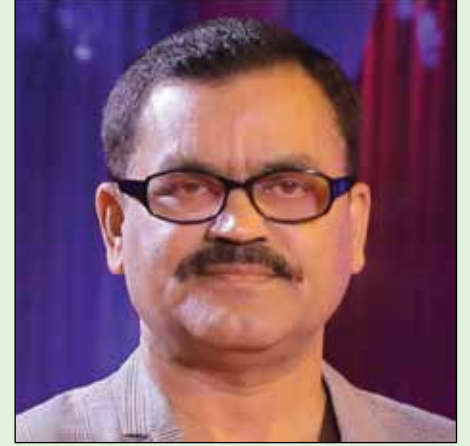
(शेष पृष्ठ 5 पर)



डॉ. एन. ज़हीर अहमद, उपनिदेशक प्रभारी, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई 10 जून 2021 को संस्थान द्वारा आयोजित हिंदी भाषा पर ई-कार्यशाला को संबोधित करते हुए।

प्रो. आसिम अली खान को सलाहकार (यूनानी) का अतिरिक्त प्रभार

प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (के.यू.चि.अ.प.) को 17 जून 2021 को आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सलाहकार (यूनानी) का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया।



प्रो. आसिम अली खान, महानिदेशक,
के.यू.चि.अ.प. एवं सलाहकार (यूनानी),
आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

यह कार्य महानिदेशक, के.यू.चि.अ.प., आयुष मंत्रालय के रूप में उनकी मौजूदा जिम्मेदारी के अतिरिक्त है और अगले आदेश तक जारी रहेगा। अप्रैल 2018 में के.यू.चि.अ.प. के महानिदेशक के रूप में नियुक्ति के बाद आयुष क्षेत्र में यह उनका एक और प्रमुख कार्यभार है। इससे पहले वह जामिया हमदर्द, नई दिल्ली में यूनानी चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संकाय

में मुआलजात (चिकित्सा) के प्रोफेसर होने के साथ-साथ विभिन्न शैक्षणिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियां निभाते रहे हैं।

प्रो. खान एक गतिशील व्यक्तित्व हैं और यूनानी चिकित्सा के विकास के लिए एक अच्छी दृष्टि रखते हैं और लगभग 35 वर्षों से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्मों पर इसके प्रचार के लिए ठोस

प्रयास कर रहे हैं। वह यूनानी चिकित्सा को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए बहुत उत्सुक और प्रयासरत हैं।



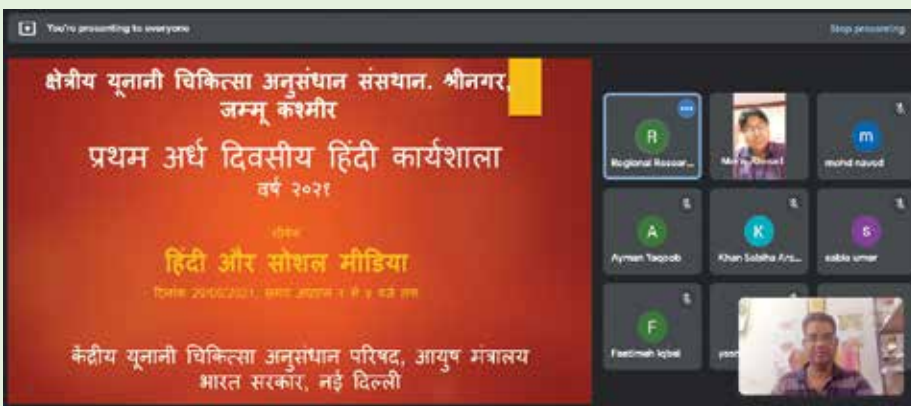
(पृष्ठ 4 का शेष)

क्षे.यू.चि.अ.सं., हावड़ा द्वारा 30 जून 2021 को आयोजित कार्यशाला में संस्थान के उपनिदेशक डॉ. यूनस इफितखार मुंशी ने हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में हुई प्रगति पर चर्चा की और अधिकारियों से भाषा के प्रयोग को और बढ़ाने का आग्रह किया। मुख्य अतिथि के रूप में

भाग लेते हुए डॉ. रहमतुल्लाह रहमानी, वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी, सीजीएचएस, कोलकाता और डॉ. मुख्तार आलम, अनुसंधान अधिकारी (वनस्पति विज्ञान), के.यू.चि.अ.प. मुख्यालय ने हिंदी भाषा को बढ़ावा देने के बारे में अपने विचार साझा किए और दैनिक जीवन में इसके उपयोग के तरीके सुझाए।

क्षे.यू.चि.अ.सं., मुंबई ने 16 जून 2021 को कार्यशाला का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन संस्थान की प्रभारी अनुसंधान अधिकारी डॉ. निर्मला देवी ने किया। कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए पश्चिम रेलवे, मुंबई के उपमहाप्रबंधक (राजभाषा) डॉ. सुशील कुमार शर्मा ने वर्तमान समय में हिंदी भाषा के महत्व पर प्रकाश डाला और आधिकारिक कार्यों में हिंदी के उपयोग के कुछ व्यावहारिक पहलुओं को संबोधित किया।

कार्यशाला का समापन मसरूर अली कुरैशी, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी) वैज्ञानिक-IV, क्षे.यू.चि.अ.सं., मुंबई द्वारा प्रस्तावित धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ। इसका संचालन अनुसंधान अधिकारी (यूनानी)/हिंदी अधिकारी डॉ. इरफान अहमद ने किया।



क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर द्वारा 29 जून 2021 को आयोजित 'हिंदी और सोशल मीडिया' पर ई-कार्यशाला का एक दृश्य।

कै.यू.चि.अ.प. ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (कै.यू.चि.अ.प.) और उसके अधीनस्थ संस्थानों ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2021 (आईडीवाई-2021) उत्साह पूर्वक मनाया और "कल्याण के लिए योग" विषय से संबंधित कई गतिविधियों का आयोजन कर "योग करो, घर घर पर रहो" का संदेश दिया। लोगों को घर पर व्यायाम और योग करके स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करने और स्वस्थ रहने के लिए आईडीवाई-2021 की 100-दिवसीय उलटी गिनती को चिह्नित करने के लिए कई पूर्व-गतिविधियों का भी आयोजन किया गया।

हैं और शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य में सुधार होता है।

आईडीवाई-2021 के लिए 100-दिवसीय उलटी गिनती को चिह्नित करने के लिए पूर्व गतिविधियों के रूप में कै.यू.चि.अ.प. संस्थानों ने व्याख्यान, योग सत्र, प्रश्नोत्तरी, ड्राइंग और निबंध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया और पोस्टर और बैनर के प्रदर्शन और पैम्फलेट के वितरण के माध्यम से योग के बारे में जागरूकता पैदा की। व्याख्यान में तनाव प्रबंधन, जीवनशैली विकारों के प्रबंधन और श्वसन प्रणाली के रोगों में



योग दिवस उत्सव - (बाएँ) डॉ. एन. ज़हीर अहमद, उपनिदेशक प्रभारी, क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई व्याख्यान देते हुए, जबकि (दाएँ) क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर के अधिकारी योग आसान करते हुए।

कै.यू.चि.अ.प. के अधिकारियों ने कोरोना महामारी के कारण आयुष मंत्रालय द्वारा वर्चुअल ढंग से आयोजित आईडीवाई-2021 के प्रमुख कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम के दौरान माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी, माननीय आयुष मंत्री श्री किरेन रिजीजू और सचिव (आयुष) वैद्य राजेश कोटेचा ने राष्ट्र को संबोधित किया।

तत्पश्चात परिषद के सभी कर्मचारी प्रातः काल अपने-अपने कार्यस्थलों पर योग करने के लिए एकत्रित हुए। योग सत्र की शुरुआत वार्म-अप अभ्यासों के साथ हुई जिसके बाद योग

प्रदर्शनकारियों और शिक्षकों की मदद से 'कॉमन योग प्रोटोकॉल' पर आधारित एक निर्देशित मेडिटेशन और योग सत्र आयोजित किया गया।

योग सत्रों के बाद सार्वजनिक व्याख्यान आयोजित किए गए जिनमें योग को एक व्यक्ति के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक अनोखे उपाय के रूप में उजागर किया गया। इसे एक ही समय में व्यायाम करने और आराम करने के सर्वोत्तम तरीकों में से एक के रूप में वर्णित किया गया। यह भी बताया गया कि योग का अभ्यास करने से तनाव और थकान कम होती है, पुराने दर्द कम होते

योग की भूमिका पर प्रकाश डाला गया। दैनिक जीवन में योग की आवश्यकता, महत्व और लाभ और यूनानी चिकित्सा में असबाब सिता ज़रूरीया (छह आवश्यक कारक) के साथ इसके संबंध पर भी बल दिया गया।

16-20 जून 2021 के दौरान 'सार्वजनिक स्वास्थ्य में योग का महत्व', 'संयुक्त देखभाल के लिए योग', 'वजन घटाना हुआ आसान और योग', 'भावस (भावना या दृष्टिकोण जिसके साथ आप आसन करते हैं)' और 'जीवन शैली रोगों के लिए योग' पर पाँच वेबिनार की एक श्रृंखला भी आयोजित की गई। ●●●

कै.यू.चि.अ.प. ने 16 केंद्रों से किया आयुष-64 का वितरण

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के एक बड़े राष्ट्रव्यापी अभियान के भाग के रूप में कै.यू.चि.अ.प. ने आयुष-64 के मुफ्त वितरण के लिए देश भर में अपने संस्थानों पर 16 केंद्र स्थापित किए। आयुष-64 एक आयुर्वेद दवा है जिसकी कोविड-19 के हल्के से मध्यम मामलों के प्रबंधन में प्रभावकारिता हाल ही में स्थापित की गई है। यह पहल इस आयुष दवा की उपलब्धता बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में की गई ताकि अस्पताल के बाहर के रोगियों का इलाज करने और रोग के संक्रमण को रोकने में मदद मिल सके।

कै.यू.चि.अ.प. द्वारा स्थापित 16 दिल्ली स्थित क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा वितरण केंद्रों में से दो डी-11, अबुल अनुसंधान संस्थान और डॉ. एम.ए फज़ल एन्क्लेव, जामिया नगर, नई अंसारी स्वास्थ्य केंद्र, जामिया मिलिया

इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली में स्थित हकीम अजमल खान यूनानी चिकित्सा साहित्यिक एवं ऐतिहासिक अनुसंधान संस्थान में थे। अन्य वितरण केंद्र पटना, मेरठ, हैदराबाद, लखनऊ, मुंबई, चेन्नई, भद्रक, कोलकाता, श्रीनगर, अलीगढ़, इलाहाबाद, भोपाल, बुरहानपुर और केरल में कै.यू.चि.अ.प. के अनुसंधान संस्थानों/केंद्रों में स्थित थे।

वितरण केंद्रों पर सोमवार से शुक्रवार तक सुबह 9:00 बजे से 4:30 बजे और शनिवार को सुबह 9:00 बजे से दोपहर 2:00 बजे के बीच कोविड-19 परीक्षण रिपोर्ट, आधार कार्ड और रोगियों के मोबाइल नंबर जमा करने पर होम आइसोलेशन वाले कोविड-19 रोगियों के रिश्तेदारों/देखभाल करने वालों को दवा प्रदान की गई।

आयुष-64 व्यापक अध्ययन पर आधारित, वैज्ञानिक रूप से विकसित सुरक्षित और प्रभावी आयुर्वेद औषधि है। आयुर्वेद और योग पर आधारित राष्ट्रीय नैदानिक प्रबंधन प्रोटोकॉल में भी इसकी सिफारिश की गई है, जिसे आईसीएमआर के कोविड प्रबंधन पर राष्ट्रीय कार्य बल द्वारा सत्यापित किया गया है। यह दवा एंटीवायरल और एंटी-पायरेटिक है और कोविड-19 के लक्षणों को कम करने में मदद करने के लिए फायदेमंद है। नैदानिक परीक्षणों के परिणामों ने प्रदर्शित किया कि आयुष-64 ने नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण सुधार दिखाया और इस प्रकार अकेले मानक उपचार वाले रोगियों की तुलना में इस दावा से उपचारित रोगियों के अस्पताल में भर्ती रहने की अवधि कम थी। यह सामान्य स्वास्थ्य, थकान, चिंता, तनाव, भूख और नींद पर भी महत्वपूर्ण लाभकारी प्रभाव डालती है। ●●●



राष्ट्रीय चार्म रोग यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद (ऊपर) और क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, भद्रक (नीचे) में आयुष-64 का वितरण।

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

क्षे. यू.चि.अ.सं., चेन्नई ने 7 अप्रैल 2021 को विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक जागरूकता व्याख्यान का आयोजन किया।



विश्व स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, चेन्नई में बहुविशेषता निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन।

डॉ. एन. जहीर अहमद, उपनिदेशक, क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई ने कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करने की आवश्यकता पर बल दिया और कोविड टीकों के बारे में आशंकाओं, मिथकों और भ्रांतियों को दूर किया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस जहां स्वास्थ्य का जश्न मनाने का एक मौका है, वहीं यह सभी विश्व नेताओं को याद दिलाता है कि हर एक को उसकी आवश्यकता, जगह और समय के अनुकूल स्वास्थ्य सेवा उलब्ध होना चाहिए।

डॉ. तहसीन, जूनियर रिसर्च फेलो (यूनानी) ने *असबाब सिता ज़रूरीया* के माध्यम से यूनानी चिकित्सा में स्वास्थ्य के रखरखाव के बारे में बात की और कहा कि यदि लोग अपने भोजन की आदतों को नियंत्रित करते हैं और अपनी नींद और जागरण को संतुलित करते हैं और अपने मानसिक और शारीरिक कार्यों को युक्तिसंगत बनाते हैं तो वे स्वस्थ और जीवन भर हर्षित रह सकते हैं।

इसके अलावा 11 अप्रैल 2021 को विश्व स्वास्थ्य दिवस और एसोसिएशन की 12वीं वर्षगांठ के अवसर पर क्षे.यू.चि.

अ.सं., चेन्नई और मुफदल पॉली क्लिनिक के सहयोग से एचएफएस एसोसिएशन द्वारा एक विशाल बहुविशेषता चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। मुफदल पॉली क्लिनिक, रोयापुरम द्वारा सामान्य चिकित्सा, स्त्री रोग, हृदय रोग और बाल रोग संबंधित सेवाएं प्रदान की गईं, एसडबल्यू एमएन आई हॉस्पिटल, टोंडियारपेट द्वारा आंखों की जांच सेवाएं, डॉ. नफीस स्पेशलिटी डेंटल क्लिनिक द्वारा दंत जांच और क्षे.यू.चि.अ.सं., चेन्नई द्वारा यूनानी विशेषता सेवाएं प्रदान की गईं। परामर्श और कपिंग सहित आयुष जोशांदा का मुफ्त वितरण भी किया गया। इसके अलावा ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन, रोयापुरम जोन और लायंस क्लब इंटरनेशनल, चेन्नई के सहयोग से क्रमशः कोविड-19 टीकाकरण शिविर और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस पहल से 400 से अधिक मरीज लाभान्वित हुए। शिविर में आने वाले मधुमेह और गैर-मधुमेह दोनों रोगियों को आयुष जोशांदा गर्मागर्म परोसा गया। यूनानी स्पेशलिटी क्लिनिक से लगभग 65 रोगी लाभान्वित हुए। ●●●

पंजीकरण सं. 34691/80

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर

सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर *केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्*, जो आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी (आयुष) मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय है, की आधिकारिक त्रैमासिक पत्रिका है। यह हिन्दी और अंग्रेजी दोनों भाषाओं में एक साथ प्रकाशित होती है। इसमें विशेषतः केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद् से संबंधित समाचार होते हैं। यह ऐसे व्यक्तियों और संस्थाओं के लिए मुफ्त उपलब्ध है जो यूनानी चिकित्सा पद्धति के विकास में दिलचस्पी रखते हैं। सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर में प्रकाशित सामग्री को सी.सी.आर.यू.एम. न्यूजलेटर के आभार के साथ, इस शर्त पर प्रकाशित किया जा सकता है कि वह प्रकाशन व्यापारिक उद्देश्यों से न किया जाये।

मुख्य संपादक

प्रो. आसिम अली खान

कार्यकारी संपादक

मोहम्मद नियाज़ अहमद

संपादकीय समिति

नाहीद परवीन
गज़ाला जावेद
जमाल अख्तर
शबनम सिद्दीकी

संपादकीय कार्यालय

केन्द्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद्
61-65, इंस्टीट्यूशनल एरिया, समुख 'डी' ब्लाक, जनकपुरी, नई दिल्ली-110 058

दूरभाष: +91-11-28521981, 28525982

फैक्स: +91-11-28522965

ई-मेल: unanimedicine@gmail.com

rop.ccrum@gmail.com

वेबसाइट: <https://ccrum.res.in>

मुद्रण: रैकमो प्रैस प्रा. लि.

सी-59, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1

नई दिल्ली-110020



CCRUM newsletter

A Quarterly Bulletin of Central Council for Research in Unani Medicine

Volume 41 • Number 2

April–June 2021

Ayush Minister visits RRIUM, Srinagar

Shri Kiren Rijiju, Hon'ble Minister of State (IC), Youth Affairs & Sports, Minister of State, Ministry of Minority Affairs, and Additional Charge, Minister of State (IC), Ministry of Ayush, Government of India visited CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar on April 09, 2021 and took overall review of its functioning as well as physical infrastructure and laboratories.

During his visit, Shri Rijiju oversaw the different types of Unani treatment including cupping without scarification, cupping with scarification, *Inkibāb* (steam

inhalation), *Naṭūl* (irrigation) and *Dalk* (massage) provided to patients. On the occasion, Hon'ble Minister said that he is impressed with the ISM treatment and stressed

for its further promotion so that maximum people get its benefit.

Shri Rijiju took round of all testing and research labs including biochemistry, radiology, photochemistry, histology and other labs and took on-spot review of their functioning.

While speaking on the occasion, Shri Rijiju said that he is pleased to visit the institute and oversee the treatment given to ailing patients. He appreciated research work being carried at the institute and emphasised improvising the treatment and other activities of the institute. He assured that the government would provide all necessary support for further development and promotion of infrastructure of the institute. "Every disease has specific treatment and can be cured by Unani, Ayurveda or Psychological treatment", Shri Rijiju said. While referring to the history of Unani Medicine, he said Kashmir had adopted Unani Medicine much earlier. In relation to the prevailing pandemic, Hon'ble Minister said that traditional system of medicine has become a vital method to fight the pandemic in recent times.



Hon'ble Minister Shri Kiren Rijiju addressing officials of CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar during his visit of the institute on April 09, 2021.



Hon'ble Minister Shri Kiren Rijiju planting a sapling of medicinal plant in the premises of CCRUM's Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar during his visit of the institute on April 09, 2021.

He also interacted with the patients admitted in the institute and enquired about their wellbeing and recovery. Patients on the occasion

apprised him regarding the facilities available to them and the quality of treatment provided.

Earlier, Shri Kiren Rijiju planted a sapling of *Prunus armeniaca* L. (apricot) in the premises of the institute and watered it. He was briefed regarding the benefits of the tree by the officers of the institute.

Among others present on the occasion were Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM, Prof. Nisar Ahmad, Registrar, University of Kashmir, Prof. Shabir Ahmad Bhat, Dean Academic Affairs, University of Kashmir, Dr. Seema Akhbar, Assistant Director, RRIUM, Srinagar and other officers, staff and students of the institute. ●●●

CCRUM officers help in COVID-19 counselling

The Ministry of Ayush launched “Ayush COVID-19 Counselling Helpline” at pan India level to address general queries raised by masses regarding coronavirus pandemic and guide the public through Ayush system on health issues arising out due to COVID -19.



Ayush COVID-19 counselling helpline

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), New Delhi was fully involved in the initiative of the ministry and Unani doctors were available on toll-free number 14443 from 6 am to 12 midnight all seven days of week.

Talking about the initiative, Director General, CCRUM Prof. Asim Ali Khan said that through this helpline number, Ayush doctors not only provide counselling and feasible remedies to the patients but also guide them about the availability of nearby Ayush facilities. He added that there are 22 CCRUM centres across the country that are carrying out their COVID-19 related services in different ways in addition to routine research works. ●●●

CCRUM organises webinar on COVID-19

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM), Ministry of Ayush, Government of India organized a webinar on “Stress Management during COVID-19 Pandemic: Role of Yoga & Unani Practices” on June 19, 2021.



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM (top) addressing the webinar on ‘Stress Management during COVID-19 Pandemic: Role of Yoga & Unani Practices’ organized by the CCRUM on June 19, 2021.

The webinar began with the introductory address by Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM. He highlighted the potential of Unani Medicine in dealing with the stress due to COVID-19 pandemic. He said that Unani Medicine has much to offer for stress management. He added that the Traditional Healthcare Systems of the country provide lifestyle advocacies to boost immunity which helps in the prevention of various kinds

of infectious diseases. He further said that in Unani Medicine more emphasis is given to strengthen the immune status of the patient in order to make body’s resistance stronger.

Dr. Arzeena Jabeen, Research Officer (Unani) Scientist-IV, National Research Institute of Unani Medicine for Skin Disorders (NRIUMSD), Hyderabad spoke on “Unani Medicine for Mental Health” and said that according to Unani Medicine *Quwwat-i-Mutafakkirah*

(faculty of thinking) is the natural power that controls anxiety. She added that there are high protein seeds which are used by Unani physicians to provide stimulus as brain tonic and strengthen the nerve activity. She further said that massage with certain herbal oils is also recommended to overcome anxiety.

In his lecture on “Effectiveness of Unani regimenal therapies in stress management”, Dr. K.T. Ajmal, Director, Calicut Unani Hospital & Research Centre (CUHRC), Calicut, Kerala said that regimenal therapies are mostly non-medicinal techniques or procedures by which Unani physicians modulate the patient’s habitat, lifestyle and dietary habits. He added that these practices are very useful in the prevention and treatment of various health issues including stress and anxiety.

Dr. Vadiraja H.S., Research Officer (Yoga & Naturopathy), Central Council for Research in Yoga & Naturopathy (CCRYN) delivered a lecture on the “Role of Yoga in Stress Management during COVID-19”. In his address, Dr. Vadiraja said that Yoga gives us better body alignment and posture, stronger muscle strength, increased self-awareness, greater flexibility, lower blood pressure, and more resilient mental and physical capacities.

The webinar concluded with vote of thanks proposed by Dr. Ghazala Javed, Research Officer (Unani) Scientist-IV, CCRUM. ●●●

Hindi workshops organized at CCRUM institutes

Five of the CCRUM institutes organized Hindi workshops during April–June 2021 to develop Hindi language skills among the staff of the institutes and promote use of the language in day-to-day life.

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Chennai organized the workshop on ‘How to make a sentence in Hindi’ through Google Meet on June 10, 2021.

Dr. N. Zaheer Ahmed, Deputy Director, RRIUM, Chennai encouraged the officials to improve their linguistic skills. Mrs. Supraja Kannan, Central Hindi Teaching Scheme, Chennai was the chief guest of the workshop. She delivered her presentation on the basics of Hindi grammar and explained how to form sentences through examples and illustrations. The workshop commenced with the

welcome address by Dr. Hafiz C Md. Aslam, Research Officer (Unani) Scientist-IV and Hindi Officer and concluded with the vote of thanks by Mrs. N. Vidhyalakshmi, Library and Information Assistant while the proceedings were conducted by Shri P. R. Thirumaran, Junior Hindi Translator at RRIUM, Chennai.

The RRIUM, Patna organized an e-workshop on Hindi language on June 30, 2021. Inaugurating the workshop, Dr. Md. Ishtiyaque Alam, Deputy Director, RRIUM, Patna reminded the officials of the mandate by the Department of Official Language regarding

implementing the use of Hindi language in official works.

Chief guest of the workshop Shri Shahbaz Ahmed, Deputy Director (Official Language), Principal Chief Commissioner of Income Tax, Bihar and Jharkhand provided training to the participants and discussed a “12 ऋ” framework and strategy for effective implementation of the Official Language Policy. Dr. Mumtaz Ahmad, Research Officer (Unani) Scientist-IV and Hindi Incharge at the institute conducted the proceedings of the workshop.

The RRIUM, Srinagar organized Hindi workshop on ‘Hindi and social media’ on June 29, 2021 in online mode. The workshop was inaugurated by Dr. Seema Akbar, Assistant Director Incharge of the institute, while Dr. Satish Vimal, Hindi Officer and Program Incharge, Radio Kashmir and Dr. Meraj Ahmad, Department of Sanskrit, University of Kashmir participated as the chief guest and resource person. Speaking on the occasion, Dr. Meraj said that Hindi has very significant presence on social media and Hindi language support has increased across the social media platforms in the last few years. Dr. Satish said that use of Hindi on social media has proved helpful in standing distinct from others. He further said that blogs have contributed significantly in the promotion of Hindi on social media. Dr. Afsahul Kalam, Research Officer (Unani) and Hindi Officer
(Contd. on page 5)



Dr. N. Zaheer Ahmed, Deputy Director Incharge, Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai addressing the e-workshop on Hindi language organized by the institute on June 10, 2021.

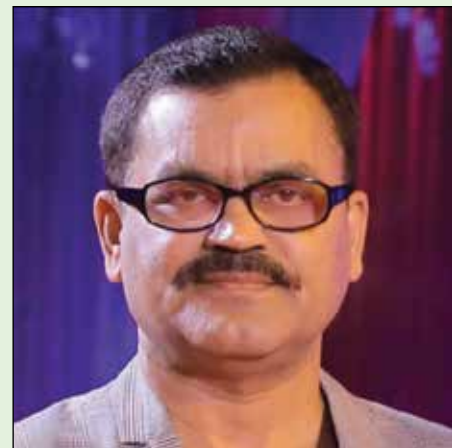
Prof. Asim Ali Khan gets additional charge of Adviser (Unani)

Prof. Asim Ali Khan, Director General, Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) was assigned the additional charge of Adviser (Unani) in the Ministry of Ayush, Government of India on June 17, 2021.

This assignment is in addition to his existing responsibility as Director General, CCRUM, Ministry of Ayush and shall continue until further orders. After joining the CCRUM as its Director General in April 2018, this is his another major assignment in Ayush sector. Previously, he has been associated with Jamia Hamdard, New Delhi as

a professor of *Mu'alajāt* (Medicine) at the School of Unani Medical Education and Research besides having various academic and administrative responsibilities.

Prof. Khan is a dynamic personality and has a good vision for the development of Unani Medicine and has been making concerted efforts for its promotion at national



Prof. Asim Ali Khan, Director General, CCRUM and Adviser (Unani), Ministry of Ayush, Government

and international platforms for about 35 years now. He is very keen and making concerted efforts to take Unani Medicine to new heights. ●●●

(Contd. from page 4)

along with his team coordinated the workshop.

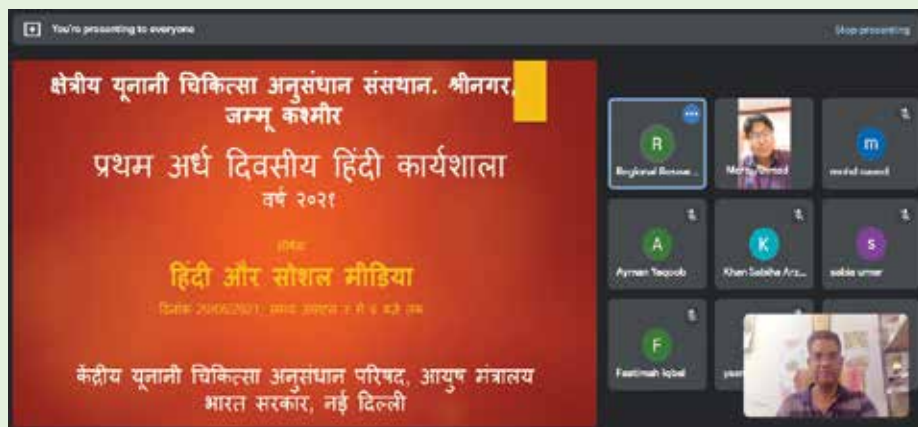
In the workshop organized by the RRIUM, Howrah on June 30, 2021, Dr. Younis Iftikhar Munshi, Deputy Director of the institute discussed the progress in the promotion of Hindi language and urged the

officials to further increase the use of the language. Participating as the chief guests, Dr. Rahmatullah Rahmani, Sr. Medical Officer, CGHS, Kolkata and Dr. Mokhtar Alam, Research Officer (Botany), CCRUM headquarters shared their ideas about the promotion of Hindi language and suggested ways for

mastering its use in day-to-day life.

The RRIUM, Mumbai organized the workshop on June 16, 2021 which was inaugurated by Dr. Nirmala Devi, Research Officer Incharge of the institute. Addressing the workshop as the chief guest, Dr. Sushil Kumar Sharma, Deputy General Manager (Raj Bhasha), Western Railway, Mumbai highlighted the significance of Hindi language in the present time and addressed some practical aspects of using Hindi in official works.

The workshop concluded with the vote of thanks proposed by Dr. Masroor Ali Qureshi, Research Officer (Unani) Scientist-IV, RRIUM, Mumbai. It was conducted by Dr. Irfan Ahmed, Research Officer / Hindi Officer. ●●●



Snap of the e-workshop on 'Hindi and Social Media' organized by Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar on June 29, 2021.

CCRUM celebrates IDY-2021

The Central Council for Research in Unani Medicine (CCRUM) and its subordinate institutes celebrated International Day of Yoga 2021 (IDY-2021) with zeal and organized a host of activities related to the theme “Yoga for wellness” with a takeaway message “Be with Yoga, Be at Home”. A host of pre-activities were also organized to mark 100-day countdown to IDY-2021 to motivate people to adopt a healthy lifestyle by doing exercise and Yoga at home and stay healthy.

improve physical and mental health.

As pre-activities to mark 100-day countdown to IDY-2021, the CCRUM institutes organized lectures, Yoga sessions, quiz, drawing and essay writing competitions and created awareness about Yoga through display of posters and banners and distribution of pamphlets. The lectures highlighted the role of Yoga in stress management, management



IDY-2021 Celebration - (left) Dr. N. Zaheer Ahmed, Deputy Director Incharge, Regional Research Institute of Unani Medicine, Chennai delivering lecture, while (right) officials of Regional Research Institute of Unani Medicine, Srinagar demonstrating Yoga.

The CCRUM officials tuned into the lead programme of the IDY-2021 organized virtually by the Ministry of Ayush due to the coronavirus pandemic. During the programme, Hon'ble Prime Minister Shri Narendra Modi, Hon'ble Ayush Minister Shri Kiran Rijiju and Secretary (Ayush) Vaidya Rajesh Kotecha addressed the nation.

Subsequently, all the employees of the CCRUM gathered to flex their body at their respective workplaces early in the morning. The Yoga sessions started with warm-up

exercises which were followed by meditation and a guided Yoga session based on ‘Common Yoga Protocol’ conducted with the help of Yoga demonstrators and teachers.

Following the Yoga sessions, public lectures were organized that highlighted Yoga as a unique way to approach an individual's health and well-being. It was described as one of the best ways to exercise and relax at the same time. It was also highlighted that practicing Yoga had been reported to decrease stress and fatigue, alleviate chronic pains, and

of lifestyle disorders and diseases of the respiratory system. Need, significance and advantages of Yoga in day to day life and its relation with *Asbab Sitta Zaruriya* (six essential factors) in Unani Medicine was also stressed.

A webinar series on ‘Importance of Yoga in Public Health’, ‘Yoga for Joint Care’, ‘Weight Loss Made Easy & Yoga’, ‘BHAVAS (Feeling or Attitude with which You Do Asanas)’ and ‘Yoga for Lifestyle Diseases’ were also organized during June 16–20, 2021. ●●●

CCRUM distributes Ayush-64 from 16 centres

The CCRUM as a part of the massive nationwide campaign by the Ministry of Ayush, Government of India set-up 16 centres across the country for free distribution of Ayush-64, an Ayurveda drug whose efficacy in the management of mild to moderate cases of COVID-19 had been established recently. This came as an important measure to increase the availability of Ayush drug to help prevent and treat out of hospital patients.

Of the 16 distribution centres set-up by the CCRUM, two were located in New Delhi at Regional Research

Institute of Unani Medicine, D-11, Abul Fazal Enclave, Jamia Nagar and Hakim Ajmal Khan Institute



Distribution of Ayush-64 at National Research Institute of Unani Medicine for Skin Diseases, Hyderabad (top) and Regional Research Institute of Unani Medicine, Bhadrak (bottom).

for Literary and Historical Research in Unani Medicine, Dr. M.A. Ansari Health Centre, Jamia Millia Islamia, Jamia Nagar. Other distribution centres were located at the research institutes / centres of the CCRUM in Patna, Meerut, Hyderabad, Lucknow, Mumbai, Chennai, Bhadrak, Kolkata, Srinagar, Aligarh, Allahabad, Bhopal, Burhanpur and Kerala.

The centres provided the drug to the relatives/caregivers of COVID-19 patients in home isolation on submission of COVID-19 test report, Aadhaar Card and Mobile number of the patients between 9:00 AM to 4:30 AM from Monday to Friday and between 9:00 AM to 2:00 PM on Saturday.

Ayush-64 is extensively studied, scientifically developed safe and effective Ayurveda drug. It is also recommended in National Clinical Management Protocol based on Ayurveda and Yoga which is vetted by National Task Force on COVID Management of ICMR. The medicine is beneficial as antiviral, anti-pyretic and for helping in reducing the symptoms of COVID-19. The results of clinical trials demonstrated that Ayush-64 showed clinically significant improvement and thus lesser period of hospitalization was reported as compared to the subjects who were on standard care alone. It also has significant beneficial effects on general health, fatigue, anxiety, stress, appetite, general well-being, and sleep.

World health day observed

The Regional Research Institute of Unani Medicine (RRIUM), Chennai organized an awareness lecture to commemorate World Health Day on April 7, 2021.



Multispecialty free medical camp held at RRIUM, Chennai to mark World Health Day.

Dr. N. Zaheer Ahmed, Deputy Director, RRIUM, Chennai stressed the need to adhere to COVID appropriate behavior and allayed the fears, myths and misconceptions about COVID vaccines. He said that World Health Day is a chance to celebrate health and remind world leaders that everyone should be able to access the health care they need, when and where they need it.

Dr. Tahseen, Junior Research Fellow (Unani) spoke about the maintenance of health in Unani Medicine through *Asbab Sitta Zaruriyya* and said that if people control their food habits and balance their sleep and awakening and rationalize their mental and physical work, they can remain healthy and cheerful throughout their lives.

Apart from this, a mega multispecialty free medical camp was organized by HFS Association in collaboration with RRIUM, Chennai and Mufaddal Poly Clinic at RRIUM,

Chennai on the occasion of World Health Day and 12th anniversary of the association on April 11, 2021. The specialties included general medicine, gynaecology, cardiology, paediatrics provided by Mufaddal Poly Clinic, Royapuram, eye check-up services by M. N. Eye Hospital, Tondiarpet, dental check-up by Dr. Nafeez Speciality Dental Clinic, Broadway and Unani speciality care including consultation, cupping treatment and free distribution of Ayush Joshanda by RRIUM, Chennai. Besides, COVID-19 vaccination camp and blood donation camp were organized in association with Greater Chennai Corporation, Royapuram Zone and Lions Club International, Chennai, respectively. More than 400 patients benefited from the initiative. Ayush Joshanda was served hot to both diabetic and non-diabetic patients visiting the camp. Around 65 patients attended the Unani speciality clinic. ●●●

Registration No. 34691/80

About CCRUM Newsletter

The CCRUM Newsletter is a quarterly official bulletin of the Central Council for Research in Unani Medicine – an autonomous organization of the Ministry of Ayurveda, Yoga & Naturopathy, Unani, Siddha and Homoeopathy (AYUSH), Government of India. It is published bilingually in Hindi and English and contains news chiefly about the works and activities of the CCRUM. It is free of charge to individuals as well as to organizations interested in the development of Unani Medicine. Material published in the bulletin may be reproduced provided credit is given to the CCRUM Newsletter and such reproduction is not used for commercial purposes.

Editor-in-Chief

Asim Ali Khan

Executive Editor

Mohammad Niyaz Ahmad

Editorial Board

Naheed Parveen

Ghazala Javed

Jamal Akhtar

Shabnam Siddiqui

Editorial Office

CENTRAL COUNCIL FOR
RESEARCH IN UNANI MEDICINE

61-65, Institutional Area,
Janakpuri, New Delhi - 110 058

Telephone : +91-11-28521981, 28525982

Fax : +91-11-28522965

E-mail: unanimedicine@gmail.com

rop.ccrum@gmail.com

Website: <https://ccrum.res.in>

Printed at: Rakmo Press Pvt. Ltd., C-59, Okhla
Industrial Area, Phase-I, New Delhi - 110020